अंधकार को दूर करती है शिक्षा : वेद प्रकाश

50 करोड़ की लागत से तैयार नए शैक्षणिक खंड का किया उद्घाटन

ह.के.वि. में बोले यू.जी.सी. अध्यक्ष, जीवन पर्यंत जारी रहती है पढ़ाई, कपड़ों, मोबाइल आदि से अहम है लाइब्रेरी, घर में किताबों का करें संग्रह

महेन्द्रगढ़, 30 मार्च (परमजीत/मोहन): शिक्षा अंधकार को दूर करती है और पढ़ाई जीवन पर्यंत तकह्य जारी रहती है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यू.जी.सी. के अध्यक्ष प्रोफैसर वेद प्रकाश का। प्रोफैसर वेद प्रकाश ने अपने यह विचार गुरुवार को विश्वविद्यालय में भारत में साहित्यालोचन: सिद्धांत, व्यवहार और पद्धति विषय पर आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला में उद्घाटन वक्तव्य देते हुए व्यक्त किए।

प्रोफैसर वेद प्रकाश ने इस अवसर न सिर्फ विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र दिए बल्कि विश्वविद्यालय शिक्षकों को भी उनकी जिम्मेदारी का अहसास करवाते हुए बेहतर दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।

स्कूल ऑफ एजुकेशन व अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रोफैसर वेदप्रकाश ने कहा कि गांधी जी ने कहा था कि असली स्वराज तभी मिलेगा जबकि देश का नागरिक निरक्षरता, निर्धनता और विषमता से मुक्ति प्राप्त कर लेगा। विश्वविद्यालय के प्रोफैसर मूलचंद सभागार ने आयोजित इस कार्यशाला में अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में लोग रातों रात सम्पन्नता को पा लेना चाहते हैं जबकि जरूरत है परिश्रम की। उन्होंने कहा कि आज कपड़ों व मोबाइल फोन से ज्यादा अहम है कि आप किताबों पर ज्यादा से ज्यादा खर्च करें। किताबों की लाइब्रेरी विकसित करें। प्रोफैसर वेद प्रकाश ने सभागार में मौजूद छात्राओं से कहा कि वे पढ़ाई पर ध्यान दें और यह कतई न माने की वे किसी से कम हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के 3 मंत्र हैं पहला सतत् अध्ययन, दूसरा सपने देखो और उन्हें पूरा करने के लिए प्रयास करो और तीसरा जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव से सबक लो और आगे बढ़ों। यू.जी.सी. अध्यक्ष ने इस अवसर पर शिक्षकों को कहा कि आज उनके कंधों पर भारी जिम्मेदारी है, उन्हें इसे समझते हुए नई पीढ़ी के विकास की दिशा में प्रयास करने होंगे।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों को बेहतर शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़ाना होगा और खुद का मूल्यांकन कर पता लगाना होगा कि आखिर वह खुद को कहा पाते हैं। किसी भी शिक्षक की पहचान उसके रिसर्च और उसके विद्यार्थियों के प्रदर्शन से होती है सो इस दिशा में शिक्षकों को न सिर्फ आस-पास के बल्कि देश के अन्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के साथ भी काम करना चाहिए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफैसर आर.सी. कुहाड़ ने यू.जी.सी. अध्यक्ष के समक्ष विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा पेश किया और बताया कि किस तरह से बीते साल में विश्वविद्यालय ने न सिर्फ शैक्षणिक मोर्चे पर नए आयाम हासिल किए हैं बल्कि सामाजिक सरोकार की दिशा में भी लगातार विश्वविद्यालय अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर रहा है। कुलपति ने विश्वविद्यालय में हो रहे संसाधनों के विकास और शैक्षणिक सुधारों को लेकर यू.जी.सी. अध्यक्ष और उनके साथियों से मिलने वाले सहयोग व सुझावों का भी जिक्र किया।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यानन परिषद से ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। प्रोफैसर कुहाड़ ने बताया कि इस विश्वविद्यालय में न सिर्फ शिक्षा बल्कि स्थानीय इलाकों में जन जागरूकता के मोर्चे पर भी लगातार हमारे विद्यार्थी व शिक्षक काम कर रहे हैं और विभिन्न अभियानों को सफ लतापूर्वक स्थानीय गांवों में चलाया जा रहा है, फिर वह चाहे उन्नत भारत अभियान हो, स्वच्छ भारत अभियान हो या फिर वित्तीय साक्षरता अभियान हो। इस मौके पर कार्यशाला की संयोजक डा. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और मंच का संचालन सुदीप कुमार ने किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri, 31 March 2017
epaper.punjabkesari.in//c/17945489

हकेंवि में यूजीसी अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश छात्राओं से बोले

'कतई न माने कि वे किसी से कम हैं'

नारनौल, 30 मार्च (निस)

50 करोड़ से बने शैक्षणिक खंड का उद्घाटन

विश्वविद्यालय में पहुंचे यूजीसी अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश ने शैक्षणिक खंड संख्या- चार का उद्घाटन किया। करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह शैक्षणिक खंड भूतल सहित चार मंजिला है।

शिक्षा अंधकार को दूर करती है और पढ़ाई जीवन पर्यंत तक जारी रहती है। यह कहना है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश का। प्रो. वेदप्रकाश ने अपने यह विचार बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय में भारत में साहित्यालोचन : सिद्धांत, व्यवहार और पद्धति विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में उद्घाटन वक्तव्य देते हुए व्यक्त किए।

स्कूल ऑफ एजुकेशन व अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. वेदप्रकाश ने कहा कि गांधी जी ने कहा था कि असली स्वराज तभी मिलेगा जब देश का नागरिक निरक्षरता, निर्धनता और विषमता से मुक्ति प्राप्त कर लेगा।

प्रो. वेदप्रकाश ने सभागार में मौजूद छात्राओं से कहा कि वे पढ़ाई पर ध्यान दे और यह कतई न माने कि वे किसी से कम हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के तीन मंत्र हैं पहला सतत अध्ययन, दूसरा सपने देखों और उन्हें पूरा करने के लिए प्रयास करों और तीसरा, जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव से सबक ले आगे बढ़ो।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 31 March 2017
epaper.dainiktribuneonline.com/c/17945610

शिक्षा करती है अंधकार दूर

यूजीसी अध्यक्ष वेद प्रकाश ने किया पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : शिक्षा अंधकार को दूर करती है और पढ़ाई जीवन पर्यंत तक जारी रहती है और मनुष्य जीवन के हर पड़ाव पर सीखता रहता है। ये विचार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश ने व्यक्त किए। प्रो. वेद प्रकाश ने गुरुवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत में साहित्यालोचन सिद्धांत, व्यवहार और पद्धति विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में शुभारंभ किया।

प्रो. वेद प्रकाश ने इस अवसर न सिर्फ विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र दिए, बल्कि विश्वविद्यालय शिक्षकों को भी उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए बेहतर दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। स्कूल ऑफ एजूकेशन व अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो.वेदप्रकाश ने कहा कि गांधी जी ने कहा था कि असली स्वराज तभी मिलेगा, जब देश का नागरिक निरक्षरता, निर्धनता और विषमता से मुक्ति प्राप्त कर लेगा।

विश्वविद्यालय के प्रो.मूलचंद सभागार में आयोजित इस कार्यशाला में अपने संबोधन में यूजीसी अध्यक्ष ने कहा कि आज के दौर में लोग रातों-रात संपन्नता को पा लेना चाहते है जबकि जरूरत है परिश्रम की। उन्होंने कहा कि आज कपड़ों व मोबाइल फोन से ज्यादा अहम है कि किताबों पर ज्यादा से ज्यादा खर्च करें। किताबों की लाइब्रेरी विकसित करें। छात्राओं से कहा कि वो पढ़ाई पर ध्यान दे और यह कतई न माने कि वो किसी से कम हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के तीन मंत्र है पहला सतत अध्ययन, दूसरा सपने देखो और उन्हें पूरा करने के लिए प्रयास करो और तीसरा, जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव से सबक ले आगे बढ़ो। यूजीसी अध्यक्ष ने इस अवसर पर शिक्षकों से कहा कि आज उनके कंधों पर भारी जिम्मेदारी है उन्हें इसे समझते हुए नई पीढ़ी के विकास की दिशा में प्रयास करने होंगे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़ ने यूजीसी अध्यक्ष के समक्ष विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्योरा पेश किया और बताया कि विश्वविद्यालय अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वाहन कर रहा है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यानन परिषद् से ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। इस मौके पर कार्यशाला की संयोजक डॉ. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और मंच का संचालन सुदीप कुमार ने किया।

नए शैक्षणिक खंड का उद्घाटन करते यूजीसी अध्यक्ष वेद प्रकाश ● जागरण

50 करोड़ की लागत से विश्वविद्याल में बने नए शैक्षणिक खंड का किया उद्घाटन

नए शैक्षणिक खंड का किया उद्घाटन : विश्वविद्यालय में पहुंचे यूजीसी अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश ने शैक्षणिक खंड संख्या चार का उद्घाटन किया। करीब पचास करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह शैक्षणिक खंड भूतल सहित चार मंजिला है। इस अवसर पर यूजीसी अध्यक्ष ने कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़, डीन एकेडमिक्स एंड रिसर्च अफेयर्स प्रोफेसर एजे वर्मा और कुलसचिव रामदत्त भी उनके साथ थे। यूजीसी अध्यक्ष ने नए शैक्षणिक खंड में चल रहे विभिन्न विभागों को देखा और इसके बाद उन्होंने विश्वविद्यालय के अभिलाषा केंद्र व अन्य शैक्षणिक खंड में चल रहे विज्ञान विभागों व पुस्तकालय का भी दौरा किया।

कार्यक्रम | हकेंवि में यूजीसी अध्यक्ष ने 50 करोड़ से बने नए शैक्षणिक खंड का किया उद्घाटन

कपड़ों व मोबाइल से ज्यादा अहम है लाइब्रेरी, परिश्रम की डालें आदत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

शिक्षा अंधकार को दूर करती है और पढ़ाई का क्रम जीवन पर्यंत चलता रहता है। यह कहना है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर वेद प्रकाश का। उन्होंने यह विचार गुरुवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत में साहित्यलोचनः सिद्धांत, व्यवहार और पद्धति विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में उद्घाटन वक्तव्य में व्यक्त किए। प्रोफेसर वेद प्रकाश ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र भी दिए। साथ ही विश्वविद्यालय प्रवक्ताओं को उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए बेहतर दिशा में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया।

स्कूल ऑफ एजुकेशन व अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रोफेसर वेदप्रकाश ने कहा कि गांधी जी ने कहा था कि असली स्वराज तभी मिलेगा, जबकि देश का नागरिक निरक्षरता, निर्धनता और विषमता से मुक्ति प्राप्त कर लेगा। विवि के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में आयोजित कार्यशाला में उन्होंने कहा कि आज के दौर में लोग रातोंरात संपन्नता को पा लेना चाहते हैं, जबकि जरूरत है परिश्रम की। उन्होंने कहा कि आज कपड़ों व मोबाइल फोन से ज्यादा अहम है कि आप किताबों पर ज्यादा से ज्यादा खर्च करें। किताबों की लाइब्रेरी विकसित करें।

नए शैक्षणिक खंड का किया उद्घाटन

विवि में पहुंचे यूजीसी अध्यक्ष प्रोफेसर वेदप्रकाश ने शैक्षणिक खंड संख्या-चार का उद्घाटन किया। पचास करोड़ रुपए की लागत से तैयार यह शैक्षणिक खंड चार मंजिला है। विवि कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़, डीन अकेडेमिक्स एंड रिसर्च अफेयर्स प्रोफेसर एजे वर्मा और कुलसचिव रामदत्त भी उनके साथ थे। यूजीसी अध्यक्ष ने नए शैक्षणिक खंड में चल रहे विभिन्न विभागों को देखा। उन्होंने विश्वविद्यालय के अभिलाषा केंद्र व अन्य शैक्षणिक खंड में चल रहे विज्ञान विभागों व पुस्तकालय का भी दौरा किया।

विद्यार्थियों को बताए सफलता के तीन मंत्र

प्रोफेसर वेद प्रकाश ने सभागार में मौजूद छात्राओं से कहा कि वे पढ़ाई पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के तीन मंत्र है पहला सतत अध्ययन, दूसरा सपने देखो और उन्हें पूरा करने के लिए प्रयास करो और तीसरा जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव से सबक ले आगे बढ़ो। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षक की पहचान उसके रिसर्च और उसके विद्यार्थियों के प्रदर्शन से होती है, सो इस दिशा में शिक्षकों को काम करना चाहिए। विवि कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने यूजीसी अध्यक्ष के समक्ष संस्थान की उपलब्धियों का ब्योरा पेश किया। बताया कि पिछले साल विश्वविद्यालय ने न सिर्फ शैक्षणिक मोर्चे पर नए आयाम हासिल किए, बल्कि सामाजिक सरोकार की दिशा में भी लगातार जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया। उन्होंने बताया कि विवि को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यानयन परिषद से ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। प्रोफेसर कुहाड़ ने बताया कि विभिन्न अभियानों को सफलतापूर्वक स्थानीय गांवों में चलाया जा रहा है, फिर वो चाहे उन्नत भारत अभियान हो, स्वच्छ भारत अभियान हो या फिर वित्तीय साक्षरता अभियान हो। कार्यशाला की संयोजक डॉ. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और मंच का संचालन सुदीप कुमार ने किया।

कपड़ों, मोबाइल से अहम है लाइब्रेरी

हकेंविवि में बोले यूजीसी अध्यक्ष, जीवन पर्यंत जारी रहती है पढ़ाई

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

शिक्षा अंधकार को दूर करती है और पढ़ाई जीवन पर्यंत तक जारी रहती है। यह कहना है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर वेद प्रकाश का। प्रोफेसर वेद प्रकाश ने अपने यह विचार गुरुवार को विश्वविद्यालय में भारत में साहित्यालोचनः सिद्धांत, व्यवहार और पद्धति विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए।

प्रोफेसर वेद प्रकाश ने इस अवसर न सिर्फ विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र दिए बल्कि विश्वविद्यालय शिक्षकों को भी उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए बेहतर दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ ने यूजीसी अध्यक्ष के समक्ष विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा पेश किया। इस मौके पर कार्यशाला की संयोजक डॉ. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक खंड का उद्घाटन करते यूजीसी अध्यक्ष प्रोफेसर वेद प्रकाश साथ में कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ और अन्य।

नए शैक्षणिक खंड का किया उद्घाटन

विश्वविद्यालय में पहुंचे यूजीसी अध्यक्ष प्रोफेसर वेदप्रकाश ने शैक्षणिक खंड संख्या - चार का उद्घाटन किया। करीब पचास करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह शैक्षणिक खंड भूतल सहित चार मंजिला है। इस अवसर पर यूजीसी अध्यक्ष ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आर.सी कुहाड़, डीन एकेडमिक एंड रिसर्च अफेयर्स प्रोफेसर एजे वर्मा और कुलसचिव राम दत्त भी उनके साथ थे।